CORDOVA® App 24X7 For Teachers Only

FREE SMART CLASS SOFTWARE WITH WEB SUPPORT
For Teachers Only

सुप्रभातम्

संस्कृत पाठमाला

8

CORDOVA®

Scanned by CamScanner

विषय-सूची

पाठ का नाम		पृष्ठ संख्या
	स्तुतिः	5
1.	प्रगतिशीलं भारतम् – संवादः (लट्-लृट्-लोट्-लङ्लकाराणां पुनरावृत्तिः)	6
2.	दिनचर्या – संवादः (विधिलिङ्लकारः)	11
	बाल-प्रतिज्ञा (केवलं पठनाय)	17
3.	निर्भयता – लेखः (प्रत्ययः)	18
4.	सद्विचाराः – (श्लोकाः)	22
5.	परोपकारस्य फलम् – कथा (उपपद-विभक्तयः)	26
6.	आदर्शपरिवारः – कथा (उपसर्गाः)	31
7.	प्रभात-सौन्दर्यम् – (गीतम्)	35
8.	राष्ट्रपतिः डॉ० अब्दुल कलामः – परिचयः	39
9.	मूर्खः भृत्यः – हास्य-कथा	43
	कालिदासो जने-जने (केवलं पठनाय)	47
10.	पर्यावरण-प्रदूषणम् – (लेखः)	48
11.	मधुरवचनानि – (श्लोकाः)	53
12.	विद्यायाः बुद्धिरुत्तमा – पंचतंत्र कथा (अव्ययानि)	57
13.	पादकन्दुकक्रीडा – लेखः	61
14.	तमसो मा ज्योतिर्गमय – संवादः (स्वर सन्धिः)	65
15.	प्रहेलिकाः	69
16.	निर्दोषा रचना – कथा (विशेषण-विशेष्य)	73
	अपठित-बोधः (अपठित गद्यांशः)	77
	चित्र-वर्णनम्	80
	पत्र-लेखनम्	83
	सन्धि-प्रकरणम्	86
	उपसर्गाः	88
	प्रत्ययः	89
	संवादः	90
	संख्यावाचकाः	92
	परिशिष्ट	
	• शब्द-रूपाणि	95
	• धातु-रूपाणि	98
	शब्दकोशः	106
	अभ्यास प्रश्न-पत्रम्-1	111
	अभ्यास प्रश्न-पत्रम्-2	114

Scanned by CamScanner

स्तुतिः

1. यत्प्रज्ञानमुत चेतो धृतिश्च,
यज्ज्योतिरन्तरमृतं प्रजासु।
यस्मान्न ऋते किंचन कर्म क्रियते,
तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु॥1॥

अर्थ– हे ईश्वर! जो विशेष ज्ञान से सहित है, चिन्तनयुक्त है, धैर्यवान है, प्राणियों के अन्दर (हृदय में) अमर ज्योति-स्वरूप है, और जिसकी इच्छा के बिना कोई भी कर्म नहीं किया जाता है, वह मेरा मन (आत्मा) सदा शुभ विचारों वाला हो।

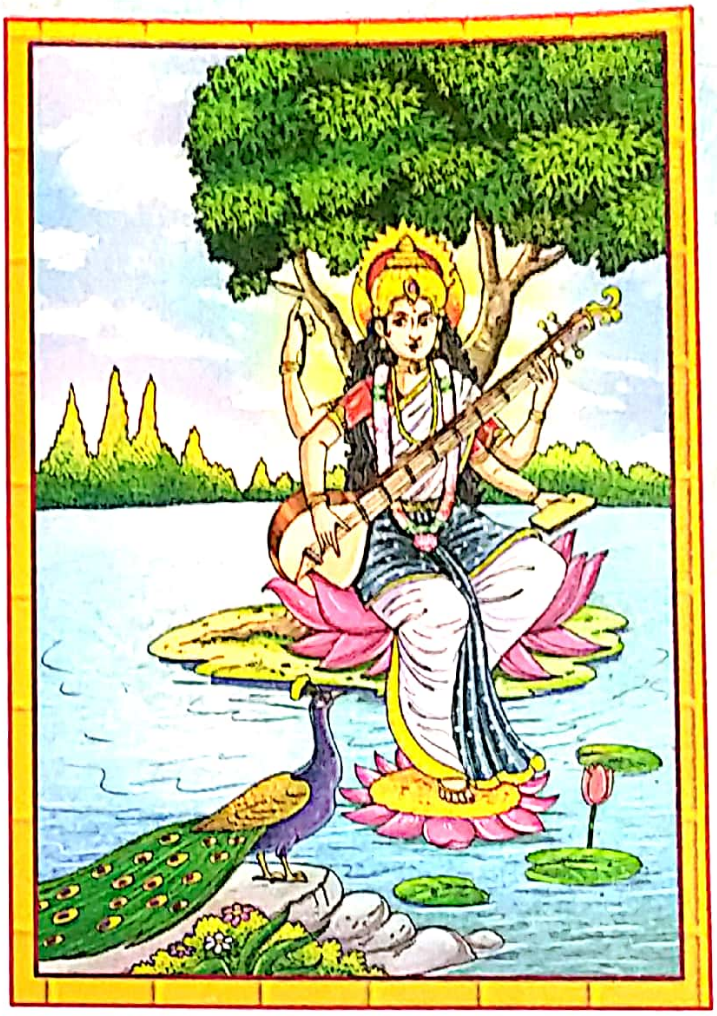

2. अथ स्वस्थाय देवाय, नित्याय हतपाप्मने।
त्यक्तक्रमविभागाय, चैतन्यज्योतिषे नमः॥2॥

अर्थ– जो स्वयं में स्थित है, जो हमेशा पापों से मुक्त है तथा जो क्रम-विभाजन से रहित है, मैं उस चैतन्य ज्योति-स्वरूप आत्मा को नमस्कार करता हूँ।

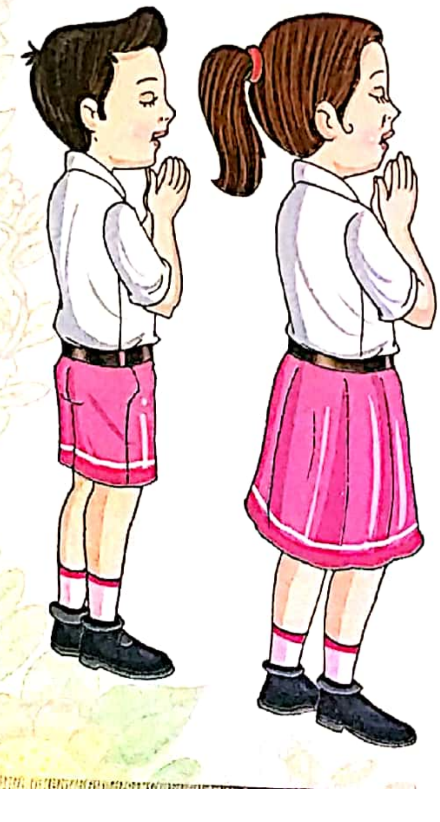

3. सत्वेषु मैत्रीं गुणिषु प्रमोदम्
क्लिष्टेषु जीवेषु कृपापरत्वम्।
माध्यस्थ्य-भावं विपरीत-वृत्तौ,
सदा ममात्मा विदधातु देव॥3॥

अर्थ– हे देव! मैं (मेरी आत्मा) हमेशा सभी प्राणियों के प्रति मित्रता, गुणी जनों के प्रति प्रमोद (हर्ष), दुःखी जीवों के प्रति कृपा (करुण) और विपरीत वृत्ति वालों (शत्रुओं) के प्रति मध्यस्थता (तटस्थता) धारण करूँ।

प्रगतिशीलं भारतम् (संवादः)

लट्-लृट्-लोट्-लङ्लकाराणां पुनरावृत्तिः

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

स्मरणीय बिन्दु– 'म्' के बाद यदि व्यंजन से शुरू होने वाला शब्द हो तो 'म्' का अनुस्वार (ं) हो जाता है; जैसे– **सः बालकं पश्यति**। यहाँ 'बालकं' शब्द में 'म्' का प्रयोग न होकर अनुस्वार (ं) का प्रयोग हुआ है। क्योंकि **'बालकं'** शब्द के 'म्' के बाद **'पश्यति'** शब्द के 'प्' (व्यंजन) वर्ण के कारण **'बालकम्'** न होकर **'बालकं'** यानी 'म्' का अनुस्वार हो गया है। किन्तु यदि **'सः बालकम् अपश्यत्'** होता तो यहाँ पर **'बालकम्'** के 'म्' का अनुस्वार नहीं होता क्योंकि **'बालकम्'** के 'म्' के बाद वाला शब्द स्वर (अ) **'अपश्यत'** से शुरू हुआ है।

छात्राः – महोदय! नमो नमः।

शिक्षकः – सर्वेषां कल्याणं भवतु।

ध्रुवः – आचार्य! वयं भारतस्य विषये पठितुम् इच्छामः।

शिक्षकः – अस्तु। अद्य वयं 'प्रगतिशीलं भारतम्' इति विषये पठिष्यामः।

नियमः – महोदय! 'भारतम्' शब्दस्य किम् अर्थम् अस्ति?

शिक्षकः – 'भा' अर्थात् प्रकाशः। अतः 'प्रकाशे रतम् इति भारतम्।' यः विश्वे ज्ञानस्य प्रकाशं निरन्तरं प्रसारयति तत् भारतम् अस्ति।

ध्रुवः – अस्माकं राष्ट्रप्रतीकानि कानि सन्ति?

शिक्षकः – राष्ट्रध्वजः त्रिरङ्गः, राष्ट्रिय-चिह्नम् अशोकस्तम्भं राष्ट्रगानं च जन-गण-मन... अस्ति। कमलपुष्पं, वट-वृक्षः, व्याघ्रः, मयूरः, डॉल्फिनमत्स्यः, गङ्गानदी आम्रफलं चापि राष्ट्रप्रतीकानि सन्ति।

निलयः – अस्माकं संस्कृतिः कीदृशी अस्ति?

शिक्षकः – 'विश्वबन्धुत्वभावनया' युक्ता संसारस्य समस्त-संस्कृतिषु भारतीया-संस्कृतिः मूर्धन्यास्ति। शिक्षायां ज्ञानविज्ञाने च भारतं सर्वदा अग्रसरं विद्यते। प्राचीनकाले नालन्दा, तक्षशिला इत्यादयः विश्वविद्यालयाः

शिक्षक के लिए

- धातु रूप लकारों में चलते हैं। कर्ता के लिंग परिवर्तन से लकार रूपों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है; जैसे–सः पठति। सा पठति।
- राष्ट्रीय प्रतीकों के जैसे अन्य जानकारी देकर बच्चों का सामान्य ज्ञान बढ़ा सकते हैं।

Scanned by CamScanner

सम्पूर्णे विश्वे अतीव प्रसिद्धाः आसन्। आधुनिक-वैज्ञानिक-युगेऽपि चिकित्साशास्त्रे, सङ्गणक-विद्यायाम्, अन्येषु च वैज्ञानिकेपु क्षेत्रेपु भारतीयाः समग्रविश्वे प्रमुखाः सन्ति।

छात्राः – आचार्य! भारतस्य कः कः सहायकः?

शिक्षकः – साधु पृष्टम्, वयं सर्वे सहायकाः स्मः।

छात्राः – वयम् अपि?

शिक्षकः – आम्। सर्वे जनाः स्वहितं त्यक्त्वा देशस्य हिताय चिन्तयन्तु। स्वच्छतायाः ध्यानं कुर्वन्तु। छात्राः अपि नियमान् पालयन्तु सम्यक् अध्ययनं च कुर्वन्तु। एवं भवन्तः भारतस्य प्रगत्यां सहायकाः भविष्यन्ति।

मूल्यः वयं जागरित्वा राष्ट्रस्य प्रगत्यां सहायकाः स्याम।

शब्द-अर्थ

संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी	संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी
पठितुम्	पढ़ने के लिए	To read	अद्य	आज	Today
प्रगतिशीलम्	आगे बढ़ना	Progressive	प्रतीकानि	चिह्न	Sign, symbol
निरन्तरम्	लगातार	Continuously	प्रसरति	फैलाता है	Spreads
युक्ता	सहित	With	मूर्धन्या	श्रेष्ठ	Best
सर्वदा	हमेशा	Always	समग्र	सम्पूर्ण	Whole
अग्रसरम्	आगे की ओर	Going forward	त्यक्त्वा	त्यागकर	Abandoned
साधु पृष्ठम्	सही पूछा	Correctly asked	चिन्तयन्तु	चिन्ता करें	Worried about
विश्वे	विश्व में	In the world	अस्तु	ठीक है	All right
इच्छामः	(हम सब) इच्छा करते हैं/ चाहते हैं	(We all) wish	कीदृशी (स्त्रीलिंग)	कैसी	How
अस्माकम्	हम सबके/ हमारे	Of all of us			

अभ्यासः

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

मौखिकः

1. शुद्धम् उच्चारणं कुरुत।
   शुद्ध उच्चारण कीजिए। (Pronounce these words correctly.)
   पठितुम् प्रकाशे रतम् राष्ट्रप्रतीकानि स्तम्भः व्याघ्रः अग्रसरम् प्राचीनकाले
2. संवादस्य आदर्शवाचनं कृत्वा अनुवादं कुरुत।
   संवाद का आदर्शवाचन करके अनुवाद कीजिए। (Read the conversation and translate.)

Scanned by CamScanner

लिखितः

1. **विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत।**
दिए गए विकल्पों से उचित उत्तर चुनकर लिखिए।
(Choose and write the correct answers from the given options.)

(क) 'प्रगतिशीलम्' इति पदे कः उपसर्गः? ....
(*i*) प्रगति (*ii*) प्र (*iii*) प्रग् (*iv*) प्रगत्

(ख) 'भारतम्' इति पदस्य उचितः अर्थः कः? ....
(*i*) अन्धकारे रतम् (*ii*) तमे रतम् (*iii*) प्रकाशे रतम् (*iv*) धर्मे रतम्

(ग) अस्माकं राष्ट्रध्वजः कः अस्ति? ....
(*i*) पंचरङ्गः (*ii*) सप्तरङ्गः (*iii*) द्विरङ्गः (*iv*) त्रिरङ्गः

(घ) भारतस्य राष्ट्रियफलं किम्? ....
(*i*) कदलीफलम् (*ii*) आम्रफलम् (*iii*) सेवफलम् (*iv*) नारङ्गफलम्

2. **एकपदेन उत्तरत।**
एक पद में उत्तर दीजिए। (Answer these questions in one word.)

(क) भारतस्य राष्ट्रियवृक्षः कः अस्ति? ....
(ख) 'भा' शब्दस्य कः अर्थः अस्ति? ....
(ग) अस्माकं राष्ट्रिय-चिह्नं किम् अस्ति? ....
(घ) अस्माकं संस्कृतिः कीदृश-भावनायुक्ता अस्ति? ....
(ङ) भारतीयाः कुत्र प्रमुखाः सन्ति? ....

3. **मञ्जूषातः उचितपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।**
मञ्जूषा में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान पूरा कीजिए। (Choose the correct words and fill in the blanks.)

भारतस्य	त्रिरङ्गः	अशोकस्तम्भम्	भवतु	कुर्वन्तु	डॉल्फिन

(क) सर्वेभ्यः कल्याणं ....।
(ख) अस्माकं राष्ट्रध्वजः .... अस्ति।
(ग) स्वच्छतायाः ध्यानं ....।
(घ) वयं .... विषये पठितुम् इच्छामः।
(ङ) अस्माकं राष्ट्रिय-चिह्नं .... अस्ति।
(च) भारतस्य राष्ट्रिय-मत्स्यः .... अस्ति।

4. **निर्देशानुसारं वाक्य-परिवर्तनं कुरुत।**
निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए। (Change the sentences as directed.)

(क) ते ग्रामं गच्छन्ति। (लोट्लकारः) ....

Scanned by CamScanner

(ख) वयं कथाम् आकर्णयाम:। (लङ्लकार:) ....

(ग) अस्माकं राष्ट्रगानं जनगणमन अस्ति। (लृट्लकार:) ....

(घ) सर्वेभ्य: कल्याणं भवतु। (लट्लकार:) ....

(ङ) स्थपति: भवनं रचयति। (विधिलिङ्लकार:) ....

(च) वयं दुर्गुणान् त्यजाम:। (लोट्लकार:) ....

5. निम्नलिखित-पदानां धातुं, लकारं, पुरुषं वचनं च लिखत।
निम्नलिखित पदों की धातु, लकार, पुरुष और वचन लिखिए। (Parse the following words.)

	धातु:	लकार:	पुरुष:	वचनम्
(क) इच्छाम:	....	....	....	....
(ख) भवन्तु	....	....	....	....
(ग) पठिष्याम:	....	....	....	....
(घ) क्रीडेयु:	....	....	....	....
(ङ) आसन्	....	....	....	....
(च) द्रक्ष्यन्ति	....	....	....	....

6. निम्नधातुरूपाणां लोट्-लङ्-लृट्-लकारेषु परिवर्तनं कुरुत।
निम्न धातुरूपों का लोट्-लङ्-लृट् लकारों में परिवर्तन कीजिए। (Change the verbs as directed.)

	लोट्	लङ्	लृट्
(क) चलति	चलतु	अचलत्	चलिष्यति
(ख) लिखति	....	....	....
(ग) नमति	....	....	....
(घ) खादति	....	....	....
(ङ) पठति	....	....	....
(च) हसति	....	....	....

7. अधोलिखितविकल्पेभ्य: उचितम् उत्तरं चिनुत। नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनिए। मूल्यपरक प्रश्न:

- **नीचे लिखे हुए वाक्य मनुष्य के गुणों को प्रकट कर रहे हैं। इनमें से कौन-सा उचित (✓) या अनुचित (✗) है? उसके सामने (✓) या (✗) का निशान लगाइए।**

हमेशा सत्य बोलना चाहिए।	☐	परोपकार की भावना रखनी चाहिए।	☐
भगवान के प्रति श्रद्धा रखनी चाहिए।	☐	विद्या हमें विनम्रता सिखाती है।	☐
असत्य बोलना चाहिए।	☐	गुरुओं का सम्मान नहीं करना चाहिए।	☐

Scanned by CamScanner

रचनात्मकः अभ्यासः

चित्रों को देखकर प्रत्येक के वाक्य लट्, लृट्, लङ् व लोट् लकार में बनाइए।

लट् ....

लृट् ....

लङ् ....

लोट् ....

लट् ....

लृट् ....

लङ् ....

लोट् ....

लट् ....

लृट् ....

लङ् ....

लोट् ....

लट् ....

लृट् ....

लङ् ....

लोट् ....

परियोजना-निर्माण-कार्यम्

एक कथा पढ़िए तथा उसमें जो भी क्रियापद हो, उन्हें उत्तरपुस्तिका में लिखिए।

Scanned by CamScanner

2 दिनचर्या (संवादः)

विधिलिङ्लकारः

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

संस्कृत भाषा में आज्ञार्थक प्रेरणा को विधि कहते हैं। अनुरोध, प्रार्थना, इच्छा, निमंत्रण, अनुमति तथा इच्छा के अर्थ के लिए विधिलिङ्लकार का प्रयोग किया जाता है। इसके प्रत्यय इस प्रकार हैं–

पुरुष	धातु	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमपुरुष	वद्	एत् धातु + एत् वद् + एत् = वदेत् सः/सा वदेत् (उसे बोलना चाहिए।)	एताम् धातु + एताम् वद् + एताम् = वदेताम् तौ/ते वदेताम् (उन दोनों को बोलना चाहिए।)	एयुः धातु + एयुः वद् + एयुः = वदेयुः ते/ताः वदेयुः (उन सब को बोलना चाहिए)
मध्यमपुरुष	वद्	एः धातु + एः वद् + एः = वदेः त्वं वदेः (तुम्हें बोलना चाहिए।)	एतम् धातु + एतम् वद् + एतम् = वदेतम् युवां वदेतम् (तुम दोनों को बोलना चाहिए।)	एत धातु + एत वद् + एत = वदेत यूयं वदेत (तुम सबको बोलना चाहिए।)
उत्तमपुरुष	वद्	एयम् धातु + एयम् वद् + एयम् = वदेयम् अहं वदेयम् (मुझे बोलना चाहिए।)	एव धातु + एव वद् + एव = वदेव आवां वदेव (हम दोनों को बोलना चाहिए।)	एम धातु + एम वद् + एम = वदेम वयं वदेम (हम सबको बोलना चाहिए।)

शिक्षक के लिए

- विधिलिङ्लकार का प्रयोग 'चाहिए' अर्थ में किया जाता है।
- शिक्षक पाँचों लकारों के प्रयोग वाले संवाद छात्रों से कक्षा में करा सकते हैं।

Scanned by CamScanner

दिनचर्या

(कक्षायां शिक्षकः चिरायुं प्रति दृष्ट्वा वदति।)

शिक्षकः – भो चिरायु! भवान् ह्यः विद्यालयं किमर्थं न आगच्छत्?

चिरायुः – महोदय! ह्यः अहं ज्वरेण पीडितः आसम्।

शिक्षकः – अधुना सम्यक् अस्ति?

चिरायुः – आम्।

शिक्षकः – (छात्रान् प्रति) भवन्तः जानन्ति किम्? अस्वस्थाः केन कारणेन भवन्ति?

गीता – महोदय! वयं दिनचर्यायाः सम्यक् पालनं न कुर्मः। एतेन कारणेन अस्वस्थाः भवामः।

शिक्षकः – शोभनम्! अद्य अहं 'दिनचर्या' इति विषये किञ्चित् वक्तुम् इच्छामि। यूयं ध्यानेन शृणुत।

प्रातः उत्थाय ईश्वरं स्मृत्वा मातरं पितरं च नमेत। तत्पश्चात् उद्यानं गत्वा भ्रमणं योगाभ्यासं चाचरेत। ततः गृहमागत्य स्नानं कृत्वा प्रातराशं दुग्धं च स्वीकृत्य विद्यालयं गच्छेत।

चिरायुः – मह्यं दुग्धं न रोचते महोदय! मह्यं प्रातराशे 'बर्गर-चाऊमीन-मोमो-पिज़्ज़ा-शीतपेय-ब्रेड' इत्यादीनि रोचन्ते।

शिक्षकः – ईदृशं भोजनं स्वास्थ्याय हानिकारकं भवति। सदैव स्वास्थ्य-वर्धकानि खाद्यानि एव खादेयुः। ततः मध्याह्ने गृहम् आगत्य गृहे पक्वं शुद्धभोजनं गृहीत्वा विश्रामं कुर्युः।

लता – ततः?

शिक्षकः – सायंकाले क्रीडित्वा गृहमागत्य गृहकार्यं स्वाध्यायं च कुर्युः।

पवनः – महोदय! जीवने अनुशासनस्य किं महत्त्वम्?

शिक्षकः – अनुशासनं जीवने अनिवार्यम् अस्ति। अनुशासनबद्धं जीवनं सर्वत्र प्रशंसनीयं भवति। नियमान् कदापि मा भिन्देयुः।

गीता – महोदय! अन्यनियमान् वदतु, ये जीवने आवश्यकाः भवेयुः।

शिक्षकः – शोभनः तव प्रश्नः। ईश्वरं, गुरुन्, वृद्धान् आचार्यान् च अर्चयेयुः। सदा सत्यं वदेयुः।

पवनः – महोदय! चिरायुः अधिकं चलचित्रं पश्यति।

Scanned by CamScanner

शिक्षकः – उचितं नास्ति। चलचित्रस्य, सङ्गणक-यन्त्रस्य, चलभावित-यन्त्रस्य (दूरभाषस्य) च आवश्यकतानुसारम् अल्पं प्रयोगं कुर्युः। रात्रौ शीघ्रमेव भोजनं खादित्वा पाठस्मरणं कृत्वा दशवादनपर्यन्तम् अवश्यमेव शयनाय गच्छेयुः।

सर्वे छात्राः – धन्यवादः महोदय! वयम् अवश्यमेव एतान् नियमान् पालयिष्यामः।

मूल्यः धर्मार्थकाममोक्षाणाम् प्राप्यर्थम् आरोग्यं मूल-साधनम्।

शब्द-अर्थ

संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी	संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी
ह्यः	बीता हुआ कल	Yesterday	ज्वरेण	बुख़ार से	Fever
अधुना	अब	Now	आम्	हाँ	Yes
शृणुत	सुनो	Listen	वक्तुम्	बोलने के लिए	To speak
उत्थाय	उठकर के	Rising	प्रातराशे	नाश्ते में	In breakfast
ततः	उसके बाद	After that	पीत्वा	पीकर	Drinking
मह्यम्	मेरे लिए	For me	ईदृशम्	इस प्रकार का	This type of
चलचित्रम्	टी.वी. के कार्यक्रम	T.V. programme	मा भिन्देयुः	तोड़ना नहीं चाहिए	Don't violate
मध्याह्ने	दोपहर में	At noon	भवान्	आप	You
किमर्थम्	किसलिए	Why	सम्यक्	ठीक	Ok
भवन्तः	आप सब	You all	किञ्चित्	कुछ	Some
स्मृत्वा	याद करके	By remembering	पक्वम्	पका हुआ	Cooked
आगत्य	आकर	By coming	कुर्युः	करना चाहिए	Should do
प्रातराशम्	नाश्ता	Breakfast	दुग्धम्	दूध	Milk
अर्चयेयुः	पूजा करनी चाहिए/ सम्मान करना चाहिए	Must respect	दशवादनपर्यन्तम्	दस बजे तक	Till 10 O' clock
प्राप्यर्थम् (प्राप्ति + अर्थम्)	प्राप्ति के लिए	To achieve	अल्पम्	थोड़ा	Little
सर्वत्र	सब जगह	Everywhere			

Scanned by CamScanner

अभ्यासः

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

मौखिकः

1. शुद्धम् उच्चारणं कुरुत।

शुद्ध उच्चारण कीजिए। (Pronounce these words correctly.)

श्रृणुयात   प्रातराशे   मह्यम्   मा भिन्देयुः   पालयेम   दशवादनपर्यन्तम्   पाठस्मरणम्   अस्वस्थम्

2. उच्चारणं कृत्वा अर्थं वदत।

उच्चारण करके अर्थ बोलिए। (Pronounce and tell the meanings.)

(क) प्रातः उत्थाय ईश्वरं नमेत।   (ख) यूयं ध्यानेन श्रृणुत।

(ग) जीवने अनुशासनस्य किं महत्त्वम्?   (घ) वयम् अवश्यमेव एतान् नियमान् पालयिष्यामः।

लिखितः

1. विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत।

दिए गए विकल्पों से उचित उत्तर चुनकर लिखिए।

(Choose and write the correct answers from the given options.)

(क) यूयं प्रातः मातरं पितरं च ....

(*i*) नमेयुः   (*ii*) नमेत्   (*iii*) नमेतम्   (*iv*) नमेत

(ख) सर्वं कार्यजातं समये .... छात्राः।

(*i*) कुर्याताम्   (*ii*) कुर्यात   (*iii*) कुर्यात्   (*iv*) कुर्युः

(ग) स्वस्थैः **नागरिकैः** देशः उन्नीयते। (प्रश्ननिर्माणं कुरुत) ....

(*i*) कैः   (*ii*) केन   (*iii*) किम्   (*iv*) के

(घ) अहं प्रदूषितं भोजनं न ....।

(*i*) खादेत्   (*ii*) खादेताम्   (*iii*) खादेयम्   (*iv*) खादेः

2. मञ्जूषातः समुचितं क्रियापदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।

मंजूषा से समुचित क्रियापद को चुनकर रिक्त स्थान पूरे कीजिए।

(Choose the correct verb from the box and fill in the blanks.)

शयनम्
बन्धुभूतः
धारयेयुः
पालयेम

(क) वयम् एतान् नियमान् जीवने ....।

(ख) रात्रौ एव .... कुर्यात्।

(ग) सर्वदा सर्वप्राणिषु .... स्यात्।

(घ) स्नानं कृत्वा स्वच्छानि वस्त्राणि ....।

Scanned by CamScanner

3. निम्नलिखित-शब्दानां प्रकृति-प्रत्ययं पृथक् कुरुत।
निम्नलिखित शब्दों के प्रकृति-प्रत्यय पृथक् कीजिए। (Parse the given words.)

क्र०	शब्दः	धातुः	प्रत्ययः
1.	कृत्वा	कृ	क्त्वा
2.	पीत्वा	....	....
3.	क्रीडित्वा	....	....
4.	उत्थाय	....	....
5.	पठितुम्	....	....
6.	प्रणम्य	....	....

4. रेखांकितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत।
रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न निर्माण कीजिए।
(Frame questions on the basis of the underlined words.)

(क) ह्यः अहं <u>ज्वरेण</u> पीडितः आसम्। ....

(ख) प्रातः उत्थाय <u>ईश्वरं</u> स्मरेत। ....

(ग) <u>मह्यं</u> दुग्धं न रोचते। ....

(घ) <u>जीवने</u> अनुशासनम् आवश्यकम् अस्ति। ....

(ङ) सदैव <u>स्वास्थ्य-वर्धकानि</u> खाद्यानि खादेयुः। ....

5. अधोलिखितानि वाक्यानि विधिलिङ्लकारे परिवर्तयत।
निम्नलिखित वाक्यों को विधिलिङ्लकार में बदलिए। (Change the following sentences.)

(क) ते समये कार्याणि अकुर्वन्। ....

(ख) ते स्वपाठम् अस्मरन्। ....

(ग) छात्राः सदा सत्यम् अवदन्। ....

(घ) वयं व्यायामं कुर्मः। ....

6. एकपदेन उत्तरत।
एक शब्द में उत्तर दीजिए। (Answer in one word.)

(क) कान् न भिन्द्येयुः? ....

(ख) चिरायुः केन पीडितः आसीत्? ....

(ग) जनाः कदा उत्तिष्ठेयुः? ....

(घ) कीदृशं भोजनं खादेत्? ....

Scanned by CamScanner

7. **अधोलिखितविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चिनुत।** नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनिए। मूल्यपरक प्रश्न

- हमें अपनी दिनचर्या में क्या-क्या करना चाहिए? नीचे लिखे वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) चिह्न लगाइए–

सुबह सही समय पर उठना चाहिए। ☐	यथासमय विद्यालय जाना चाहिए। ☐
संतुलित भोजन करना चाहिए। ☐	खेलते समय मित्रों से झगड़ा करना चाहिए। ☐
रात्रि में यथासमय सो जाना चाहिए। ☐	देर रात तक टी.वी. देखना चाहिए। ☐

रचनात्मकः अभ्यासः

चित्रों को देखकर योग के विभिन्न आसनों के नाम संस्कृत में लिखिए एवं प्रत्येक के बारे में दो-दो वाक्य भी बनाकर लिखिए।

नाम ....

....

....

नाम ....

....

....

नाम ....

....

....

नाम ....

....

....

परियोजना-निर्माण-कार्यम्

अपनी प्रोजेक्ट फाइल में स्वयं की दिनचर्या संस्कृत भाषा में लिखिए।

Scanned by CamScanner

केवलं पठनाय

बाल-प्रतिज्ञा

करिष्यामि नो सङ्गतिं दुर्जनानाम्
करिष्यामि सत्सङ्गतिं सज्जनानाम्।
धरिष्यामि पादौ सदा सत्यमार्गे
चलिष्यामि नाहं कदाचित् कुमार्गे।।

हरिष्यामि वित्तानि कस्यापि नाऽहम्
हरिष्यामि चित्तानि सर्वस्य चाऽहम्।
वदिष्यामि सत्यं न मिथ्या कदाचित्
वदिष्यामि मिष्टं न तिक्तं कदाचित्।

भविष्यामि धीरो भविष्यामि वीरो
भविष्यामि दानी स्वदेशाभिमानी।
भविष्याम्यहं सर्वदोत्साहयुक्तः
भविष्यामि चालस्ययुक्तो न वाऽहम्।।

सदा ब्रह्मचर्य-व्रतं पालयिष्ये
सदा देशसेवा-व्रतं धारयिष्ये।
न सत्ये शिवे सुन्दरे जातु कार्ये
स्वकीये पदे पृष्ठतोऽहं करिष्ये।।

सदाऽहं स्वधर्मानुरागी भवेयम्
सदाऽहं स्वकर्मानुरागी भवेयम्।
सदाऽहं स्वदेशानुरागी भवेयम्
सदाऽहं स्ववेषानुरागी भवेयम्।।

Scanned by CamScanner

3 निर्भयता (लेखः)

प्रत्ययः

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ का रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

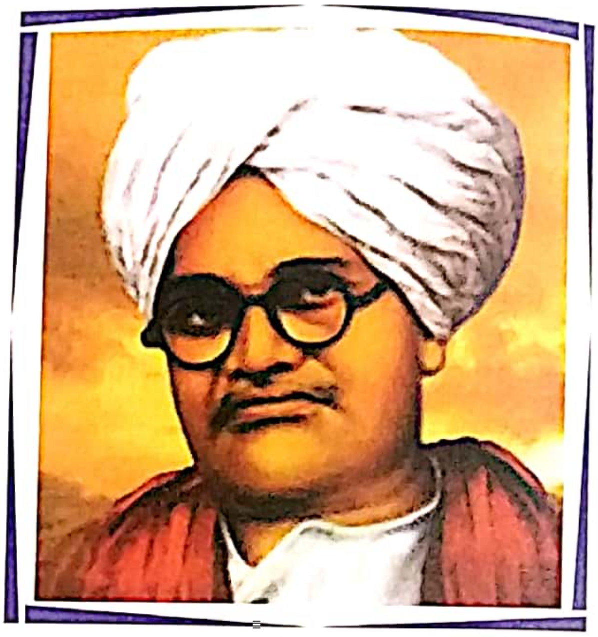

उमाकान्तः केशवः आप्टे एकस्मिन् विद्यालये शिक्षकः आसीत्। आङ्ग्लाः अस्माकं देशे साधिकारं विद्यमानाः आसन्। अतः विद्यालये राष्ट्रभक्त्याः पाठनं तु असम्भवम् एव आसीत्, किन्तु उमाकान्तः निर्भयतया छात्रान् स्वदेशस्य स्थितिं बोधयित्वा स्वछात्रेषु राष्ट्रभक्तिं जनयितुं यतते स्म।

उमाकान्तस्य आत्मीयः व्यवहारः भिन्नशिक्षण-विधिश्च छात्रेषु लोकप्रियः जायमानः आसीत्। उमाकान्तस्य सहशिक्षकाः उमाकान्ताय ईर्ष्यन्ति स्म। ते सर्वे प्रधानाध्यापकम् उमाकान्तस्य राष्ट्रभक्त्याः पाठनविषये असूचयन्। प्रधानाध्यापकः उमाकान्तम् आहूय आदिशत् यत् पाठयक्रमे यदुल्लिखितं वर्तते तदेव पाठनीयं न तु अन्यत् किमपि। उमाकान्तः आत्मविश्वासेन अकथयत् यत् "शिक्षायाः उद्देश्यमेव छात्राणां व्यक्तित्वस्य सर्वाङ्गीणविकासः वर्तते, तदर्थं जीवनस्य, समाजस्य राष्ट्रस्य च वास्तविकज्ञानं तेभ्यः अनिवार्यतया दातव्यम्। तथ्यानां स्मरणं शिक्षा नास्ति।" उमाकान्तस्य उत्तरं श्रुत्वा प्रधानाध्यापकः निरुत्तरः जातः।

उमाकान्तेन स्वस्य शिक्षणविधौ किमपि परिवर्तनं न कृतम् अपितु सः इतोऽपि अधिकेन उत्साहेन स्वकार्ये संलग्नः जातः। 1924 ईस्वीयस्य 1 अगस्त दिनाङ्के स्वस्य कक्षायां लोकमान्यतिलकस्य पुण्यतिथेः अवसरे कार्यक्रमम् आयोजितवान्। विद्यार्थिभिः उत्साहेन काव्यपाठः, गीतापाठः भाषणानि च कृतानि।

ईर्ष्यया सहशिक्षकैः आङ्ग्लाधिकारिणे उमाकान्तस्य कार्यक्रमविषये सूचना प्रेषिता। शिक्षाविभागात् प्रधानाध्यापकस्य समीपम् एतादृशान् गतिविधीन् रोद्धुम् आदेशः आगतः। भयभीतः प्रधानाध्यापकः उमाकान्तम् आहूय तिलकस्य पुण्यतिथेः आयोजनविषये तम् अतर्जयत।

निर्भयेन उमाकान्तेन उक्तं यत् "भारतस्य यस्मिन् विद्यालये भारतभक्तानां नामानि स्मर्तुम् न शक्यन्ते तस्मिन् विद्यालये अहं स्वयं पाठयितुं न इच्छामि।" एतदुक्त्वा उमाकान्तः स्वस्य त्यागपत्रम् उत्पीठिकायाम् उपस्थाप्य वेगेन विद्यालयात् बहिः निर्गतः।

शिक्षक के लिए

- शब्द/धातु के अंत में प्रत्यय का प्रयोग किया जाता है।
- प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं–जो क्रिया के साथ लगते हैं उन्हें कृदन्त प्रत्यय कहते हैं; जैसे-क्त्वा, तुमुन्, ल्यप् आदि तथा जो शब्द के साथ-साथ लगते हैं उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं; जैसे– मतुप्, णिनि, ठक् आदि।

Scanned by CamScanner

इमं शिक्षकम् अद्य वयं 'बाबासाहब आप्टे' इति नाम्ना जानीमः। येन स्वजीवनेन पाठितं यत् शिक्षकाः सर्वदा निर्भयाः स्युः इति।

मूल्यः कीर्तिर्यस्य स जीवति।

शब्द-अर्थ

संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी	संस्कृत	हिंदी	अंग्रेज़ी
साधिकारम्	अधिकार सहित	With authority	स्वदेशस्य	अपने देश का	Of one's own country
निर्भयतया	डर रहित	Without fear	विधिः	तरीका	Method
ईर्ष्यन्ति	ईर्ष्या करते हैं	Envies	आहूय	बुलाकर	Calling
पाठ्यक्रमे	पाठ्यक्रम में	In syllabus	सर्वाङ्गीण	सभी तरह	All-round
तदर्थम्	उसके लिए	For that	श्रुत्वा	सुनकर	Listening
सहशिक्षकैः	साथ के शिक्षकों के द्वारा	By fellow teachers	अतर्जयत	मना किया	Prohibited
उपस्थाप्य	रखकर	Putting	वेगेन	तेज़ गति से	With speed
निर्गतः	निकल गए	Got out	सर्वदा	हमेशा	Always
आङ्ग्लाः	अंग्रेज़	Britisher	बोधयित्वा	समझाकर	After explaining
यतते स्म	प्रयत्न करते थे	Used to try	यत्	कि	That
जातः	हो गया	Done	प्रेषिता	भेजी गई	Sent
रोद्धुम्	रोकने के लिए	To stop	उक्तम्	कहा गया	Said
पाठयितुम्	पढ़ाने के लिए	To teach	उत्पीठिकायाम्	मेज़ पर	On the table
जानीमः	(हम सब) जानते हैं	(We all) know	बहिः	बाहर	Outside
स्युः	होने चाहिए	Must	कीर्तिः	यश	Fame, repute

अभ्यासः

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

मौखिकः

1. शुद्धम् उच्चारणं कुरुत।

शुद्ध उच्चारण कीजिए। (Pronounce these words correctly.)

स्वजीवनेन   उत्पीठिकायाम्   एतदुक्त्वा   यदुल्लिखितम्   रोद्धुम्   ईस्वीयस्य   दातव्यम्   राष्ट्रस्य

2. उच्चारणं कृत्वा अर्थं वदत।

उच्चारण करके अर्थ बोलिए। (Pronounce and tell the meanings.)

(क) उमाकान्तः एकस्मिन् विद्यालये शिक्षकः आसीत्।

(ख) उमाकान्तः आप्टे देशभक्तः आसीत्।

(ग) सहशिक्षकाः ईर्ष्यन्ति स्म।

(घ) विद्यालये लोकमान्यतिलकस्य जयन्ती आसीत्।

Scanned by CamScanner

लिखितः

1. विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखत।
दिए गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए।
(Choose and write the correct answers from the given options.)

(क) भू + तुमुन् = ...
(*i*) भौतुम् (*ii*) भवतुम् (*iii*) भवितुम् (*iv*) भुवतम्

(ख) कृ + तुमुन् = ...
(*i*) कृतुमुन् (*ii*) कर्तुम् (*iii*) करितुम् (*iv*) करतुम्

(ग) आ + दा + ल्यप् = ...
(*i*) आदल्यप् (*ii*) आदाय (*iii*) आदाय् (*iv*) अदायप

(घ) पठ् + तुमुन् = ...
(*i*) पठितुम् (*ii*) पाठयतुमुन् (*iii*) पाठतुम् (*iv*) पाठयतुम्

(ङ) उप + स्था + ल्यप् = ...
(*i*) उपस्थाल्यप् (*ii*) उपस्थापय (*iii*) उपस्थाप्य (*iv*) उपस्थल्यप्

2. उदाहरणानुसारं रञ्जितपदानि योजयित्वा लिखत।
उदाहरणानुसार रंगीन पदों को जोड़कर लिखिए। (Write the coloured words after joining.)

यथा—छाया गृहम् आ + गम् + ल्यप् भोजनं करोति। छाया गृहम् आगम्य भोजनं करोति।
(क) छात्राः विद्यालयं पठ् + तुमुन् गच्छन्ति। ....
(ख) ते गीतं श्रु + तुमुन् अत्र आगच्छन्। ....
(ग) एतत् वि + ज्ञा + ल्यप् सर्वे प्रसन्नाः अभवन्। ....
(घ) सः समाचारं ज्ञा + क्त्वा प्रसीदति। ....

3. उचितं मेलनं कुरुत। **उचित मिलान कीजिए।** (Match the following words.)

(क)	(ख)
निर्गतः	तेज़ गति से
आहूय	बिना डरे
अतर्जयत्	रखकर
निर्भयतया	निकल गए
उपस्थाप्य	बुलाकर
वेगेन	डाँटा

Scanned by CamScanner

4. **एकपदेन उत्तरत। एक पद में उत्तर दीजिए।** (Answer these questions in one word.)

(क) उमाकान्तः केशवः विद्यालये कः आसीत्? ....

(ख) उमाकान्तः छात्रान् कस्य विषये अबोधयत्? ....

(ग) शिक्षायाः उद्देश्यं किं वर्तते? ....

(घ) उमाकान्तः स्वस्य त्यागपत्रं कस्मै दत्वा निर्गतः? ....

5. **प्रत्ययप्रयोगं कृत्वा संस्कृत-अनुवादं कुरुत।**

प्रत्यय का प्रयोग करके संस्कृत में अनुवाद कीजिए। (Translate in Sanskrit.)

(क) वे दोनों पढ़कर घर गए। ....

(ख) मैं आप्टे के पास जाकर पढ़ता हूँ। ....

(ग) वह दौड़कर घोड़े पर चढ़ता है। ....

(घ) आप्टे का उत्तर सुनकर प्रधानाध्यापक निरुत्तर हो गए। ....

6. **अधोलिखितविकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चिनुत।** नीचे लिखे विकल्पों से सही उत्तर चुनिए। मूल्यपरक प्रश्नः

- **देशभक्तों का क्या करना चाहिए–**

अपमान ☐ सम्मान ☐ विरोध ☐ उपहास ☐

रचनात्मकः अभ्यासः

निम्न वर्ग पहेली में कुछ प्रत्यय युक्त शब्द छिपे हुए हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए–

प्र	ण	म्य	श्रु	ने
कृ	ह	सि	त्वा	तु
त्वा	अ	ह	पी	म्
दृ	नु	सि	त्वा	लि
ष्ट्	म	तु	नी	खि
वा	त्य	म्	त्वा	त्वा

क्त्वा	तुमुन्	ल्यप्
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

परियोजना-निर्माण-कार्यम्

कक्षा को तीन भागों में विभक्त कीजिए एवं तीनों के नाम ल्यप्, क्त्वा और तुमुन् प्रत्यय रखिए। प्रत्येक वर्ग अपने वर्ग के प्रत्यय के शब्द बोलेगा। जो वर्ग सबसे अधिक शब्द बोलेगा वही विजेता होगा।

Scanned by CamScanner